an>

Title: Need to include the historical places of Gadhchiroli-Chimur Parliamentary Constituency in the central list of tourist places.

श्री अशोक महादेवराव नेते (गढ़चिरोली-चिमुर): अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से महाराष्ट्र के मेरे संसदीय क्षेत्र गढ़चिरोली-चिमुर जो देश का सबसे पिछड़ा, घना, आदिवासी बहुल, नक्सल प्रभावित, अविकसित, धार्मिक और ऐतिहासिक स्थल के नाम से जाना जाता है, मैं इन क्षेत्रों की तरफ आपका ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अशोक नेते जी की बात के अलावा और किसी की बात रिकार्ड में नहीं जाएगी।

...(*Interruptions*)â€¦ *

श्री अशोक महादेवराव नेते: महाराष्ट्र राज्य के गढ़चिरोली-चिमुर संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत कछाड़गढ़, तालुका सालेकसा, जिला गोंदिया में लिंगोजंगो, जो आदिवासियों के देवता हैं, उनका एक प्रमुख एवं अति प्राचीन गुफा व मंदिर है। ...(व्यवधान) यह देश के आदिवासियों का एक बहुत बड़ा धार्मिक स्थल है तथा पर्वतीय क्षेत्र में स्थित है। यहां पर महाराष्ट्र राज्य के ही नहीं बल्कि देश के विभिन्न राज्यों जैसे छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, झारखंड, ओडिसा सहित अन्य आदिवासी बहुल क्षेत्रों से आदिवासी श्रद्धालुओं का बहुत बड़ी संख्या में आना-जाना होता है तथा प्रत्येक वर्ष फरवरी माह में विशेष उत्सव के दौरान प्राचीन गुफा व मंदिर के दर्शन करने वाले आदिवासी श्रद्धालुओं की संख्या लगभग 4-5 लाख तक पहुंच जाती है।...(व्यवधान)

12.33 hours

-

(Shri Mallikarjun Kharge and some other hon. Members then left the House.)

मेरे क्षेत्र के अंतर्गत तालुका वामोर्शी में मारकंडा देवस्थान एक बहुत बड़ा धार्मिक स्थल है तथा यह काशी देवस्थान के नाम से भी प्रसिद्ध है।...(व्यवधान) इस धार्मिक स्थल का बड़ा महत्व है तथा इस मंदिर के निकट के पवित्र वेणगंगा गुजरती है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अशोक जी, इतना लम्बा-चौड़ा नहीं पढ़ते।

â€¦(व्यवधान)

श्री अशोक महादेवराव नेते: यहां पर महाराष्ट्र राज्य के ही नहीं बल्कि देश के अन्य क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आना-जाना होता है तथा महा शिवरात्रि पर्व पर यहां आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगभग 15-20 लाख के आसपास होती है।...(व्यवधान) इस धार्मिक स्थल का महत्व पुराणों में भी वर्णित है। लेकिन श्रद्धालुओं के लिए यहां पर जरूरी मूलभूत सुविधाओं का भारी अभाव है।...(व्यवधान)

मेरे संसदीय में टिप्पागढ़, वैरागढ़, कछाड़गढ़, अरकतुंडी, रामदेगी, गोमुख के स्थल भी विकसित करने के लायक हैं।...(व्यवधान) अत: मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि उपरोक्त स्थल के महत्व को देखते हुए इनको केन्द्रीय पर्यटन की सूची में शामिल करते हुए पर्यटन के रूप में विकसित करने और सौन्दर्यीकरण करने के साथ-साथ वहां जरूरी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं आवागमन मार्ग को सुविधाजनक बनाए जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करें, ऐसा मैं सरकार से अनुरोध करता हूं। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष :

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री अशोक महादेवराव नेते द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।